• पत्नी मां में..

तालमेल है जरूरी

अक्सर जब एक लड़की की शादी होती है और वो ससुराल जाती है तो अपने घर को छोड़कर उसे अपने ससुराल को अपनाना होता है- एक नया परिवार मिलता है। पति उसे अपना ज्यादा वक्त देता है और ये सही भी भला ऐसे में जब एक लड़की अपना सबकुछ छोड़कर आपके पास आई है तो आपका उसे वक्त देना बिल्कुल भी गलत नहीं है क्योंकि एक-दूसरे को समझने और जानने के लिए साथ में वक्त बिताना बहुत जरूरी है। लेकिन जब पति ऐसा करता है तो अक्सर मां को लगता है कि लड़की घर में आई नहीं कि मेरे बेटे को मुझसे दूर कर दिया। घर को तोड़ दिया-.मेरा बेटा दिनभर उससे चिपका रहता है और भला मेरी अब कहां सुनेगा अब तो कोई और है इसकी जिंदगी में ऐसे में बेटे का रिश्तों को संभालना तोड़ा कठिन हो जाता है। जब घर में नए रिश्ते बनते हैं तो उनको वक्त देना पड़ता है और फिर ये तो पति-पत्नी का रिश्ता है। यदि बेटा मां की ज्यादा बात माने तो ऐसे में पत्नी को लगता है कि उसका पति उसे वक्त नहीं देता मां के पल्लू से चिपका रहता है। ऐसे में कुल मिलाकर

यदी कोई बीच में फंसता तो है वो है लड़का जो बेटा और पति दोनों ही है। अब ऐसे में उसे कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे वो अपनी मां और पत्नी में सामंजस्य बिठा सके।

सबसे पहले तो पुरुष को अपनी मां से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए क्योंकि वो एकमात्र वो इंसान है इस दुनिया में जो आपको इस दुनिया में लाती है, बिना किसी शर्त और स्वार्थ के प्रेम करती है। आपको पाल-पोस कर बड़ा करती है हरदम आपका ख्याल रखती है। इसलिए उनके इस प्यार को कभी कम मत समझे पुरुष,भले ही शादी हो जाए पत्नी आ जाए लेकिन अपनी मां का महत्व कभी कम मत होने दें।

यदि आपकी पत्नी दिन-रात आपका इंतजार करे और उसे बिल्कुल भी समय न दें तो,ये बिल्कुल भी सही नहीं है, क्योंकि वो आपके लिए सबकुछ छोड़कर आयी है इसलिए उसे पति का वक्त मिलना उसका हक है। कभी भी अपने और अपनी पत्नी के बीच अहंकार को न आने दें प्यार से रिश्ता बनाए। बेटे को अपनी मां को समझाना चाहिए कि अब घर में और रिश्तों में कुछ बदलाव हुए हैं जो उन्हें समझने होंगे। घर में एक नया सदस्य और आ गया जो अब हमारे परिवार का हिस्सा है तो बदलाव तो होंगे ही।

• खास है...

मां-बेटी का रिश्ता...

मा शब्द का अर्थ शब्दों मे बयान कर पाना बेहद मुश्किल है लेकिन इस शब्द को अगर 80 साल का बुजुर्ग भी अपनी जुबान पर लाता है तो उसकी भी आंखें नम हो जाती हैं। वो सच्चा प्यार है मां, जो निस्वार्थ और निडर है। मां और बेटे के प्यार को कौन नहीं जानता लेकिन जहां बात आती है सच्ची दोस्ती की तो वो है मां-बेटी का रिश्ता। ऐसा नहीं है की इनके बीच मे प्यार नहीं होता। प्यार के साथ साथ दोस्ती का रिश्ता इनके प्यार को और मजबूत बनाता है.क्योंकि एक मां ही है जो आपको आप से बेहतर जानती है। बेशक मां बेटी के बीच जेनरेशन गैप होता है, इसके बावजूद भी इन दोनों के बीच की बौन्डिंग बेहद मजबूत होती है। ऐसा बिलकुल नहीं है की बेटी जबतक अपनी मां के घर है। तब तक ही ये दोस्ती होती है बल्कि शादी के बाद इस रिश्ते में और भी गहरे प्यार का रंग चढ़ता है।

एक बेटी ही होती है जो छोटी-छोटी बात पर मां से झगड़ जाती है और तुरंत ही हमजोली बन जाती है। बेटी जिसे ससुराल में हर पल मां की याद सताती है और उसकी दी नसीहतें याद आती हैं, उसके आंचल को याद कर अपना दामन भिगो लेती हैं। ऐसी ही कुछ खट्टी -कुछ मीठी बातें है जो इस रिश्ते को और भी मजबूत कर जाती हैं । आइए जानते है इस प्यारे से रिश्ते के बारे में-

- माना ये जाता है कि बेटियां पापा की लाडली होती है लेकिन जब बेटी किसी बात से परेशान या असमंजस मे होती है तो वो पापा से कहने में हिचकती है। तब बेटी सबसे पहले अपनी परेशानी अपनी मां से शेयर करती है। क्योंकि एक लड़की होने के नाते जिस दौर में वो है उस दौर से उसकी मां भी गुजर चुकी है। वहीं अगर मां किसी बात को लेकर चिंतित होती है तो वो अपने दिल की बात अपनी बिटिया से ही कर पाती है।
- जब बेटी बड़ी होने लगती है तो वो मां के साथ उसका काम में हाथ बटाती है। कभी कभी दोनों मिलकर नए व्यंजन पकाती है और जब बेटी को मेकअप करने का शौक चढ़ता है तो सबसे पहले वो अपनी मां पर ही नए नुस्खे आजमाती है। इससे उन दोनों के बीच एक दूसरे से लगाव और भी बढ़ जाता है।
- ज्यादातर लड़कियां बाहर घूमने के बजाय घर पर ही टाइम बिताती हैं, जिससे मां बेटी एक दूसरे के साथ ज्यादा टाइम साथ रहती हैं। साथ टीवी देखती हैं, बातें करती हैं और यही छोटी-छोटी सी खुशियां एक नया रिश्ता इजात करती हैं और वो हैं मां बेटी के बीच गहरी दोस्ती का।

इस बार मदर्स डे 10 मई को मनाया जाएगा। मां के प्रति प्यार और सम्मान जताने के लिए कोई खास दिन की जरूरत नहीं होती है, लेकिन इस खास दिन भी आप मां के प्रति अपनी भावनाओं को जाहिर कर सकते हैं। अमेरिका ने इस दिन को सबसे पहले 20वीं शताब्दी में एक्टिविस्ट एना जार्विस ने मनाया था। एना अपनी मां से बहुत अधिक प्यार करती थी...

स्पेशल हैं मां...

मा शब्द में ही पूरी दुनिया समाहित है। हर इंसान के जीवन में एक मां का रोल बहुत रही अहम होता है। मां हमारी हर छोटी से बड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए हर कोशिश करती हैं जिससे हम खुश रहें। इसके बदले वो सिर्फ हमारा प्यार और साथ मांगती है। ऐसे में मां को हमेशा स्पेशल फील कराना चाहिए। इसके अलावा हर साल मां के खास महसूस कराने के लिए एक दिन आता है मदर्स डे। हर साल मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। इस बार मदर्स डे 10 मई को मनाया जाएगा। मां के प्रति प्यार और सम्मान जताने के लिए कोई खास दिन की जरूरत नहीं होती है, लेकिन इस खास दिन भी आप मां के प्रति अपनी भावनाओं को जाहिर कर सकते हैं। अमेरिका ने इस दिन को सबसे पहले 20वीं शताब्दी में एक्टिविस्ट एना जार्विस ने मनाया था। एना अपनी मां से बहुत अधिक प्यार करती थी। जिसके कारण उन्हों ने कभी शादी नहीं की थी। साल 1905 में उनकी मां की मृत्यु के बाद उन्हें प्यार जताने के लिए एक स्मारक का आयोजन क्या था। यह स्मारक पश्चिम वर्जीनिया के ग्राफ्टन के सेंट एंड्रयू मैथाडिस्ट चर्च में आयोजित किया गया। जिसके बाद से यह मदर्स जे के रूप में मनाया जाने लगा।

मई के दूसरे रविवार को मनाने के पीछे भी एक कारण है। दरअसल 9 मई 1914 को अमेरिका के राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन ने एक कानून पास किया था। जिसमें उन्होंने लिखा था कि मई महीने के हर दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाएगा। इसी कारण अमेरिका, भारत सहित कई देशों में मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाने लगा। आपकी मां आपके लिए कितनी स्पेशल हैं ये जताने के लिए किसी खास चीज की जरुरत नहीं। छोटी-छोटी चीजों जैसे उनके लिए नाश्ता बनाना, साथ में मूवी देखना भी उनको खुश कर सकता है। कोरोना संकट काल में सभी घर में रहने को मजबूर हैं, ऐसे में आप भी अगर अपनी मां के साथ घर में हैं तो आप कुछ सरप्राइज देकर इस दिन को स्पेशल बना सकते हैं। आज यहां हम आपके मदर्स डे को यादगार बनाने के लिए कुछ ऐसे ही आइडियाज आपसे शेयर कर रहे हैं।

● **केक बनाएं :** मदर्स डे पर अगर आप इस पल को यादगार बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आप केक बनाकर उन्हें सरप्राइज दे सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि लॉकडाउन में आप बाजार से केक खरीदकर बिल्कुल न लाएं, घर में खुद से अपनी मां के लिए केक बनाएं और अपनी भावनाओं का इजहार करें।

● अगर आप केक नहीं बनाना चाहते हैं तो आप उनके लिए उनका पसंदीदा मील बना सकते हैं। रोज तो आपकी मां आपके लिए खाना बनाती हैं, क्यों न इस दिन आप उनके लिए खाना बनाएं और उन्हें पूरे दिन के लिए आराम करने दें।

● **चॉकलेट के साथ दें एक प्यार भरा कार्ड :** इस दिन आप अपनी मां को एक चॉकलेट के साथ एक प्यार भरा कार्ड भी दे सकते हैं। इस कार्ड को भी खुद बनाएं और इसमें आप अपनी मां के लिए कुछ लाइनें और कविताएं लिख सकते हैं।

● **मां के लिए बनाएं कोई स्पेशल वीडियो :** मदर्स डे पर आप अपनी मां के कुछ फोटोज और वीडियोज के साथ स्पेशल वीडियो बना सकते हैं। यह उनके लिए एक अच्छा सरप्राइज होगा।

• बड़ी है...

मां की जिम्मेदारी

वक्त बदल रहा है और वक्त के साथ मां की जिम्मेदारियां भी बदल रही हैं। पहले मां के पास शिक्षा का ज्ञान नहीं होता था पर वह व्यावहारिक और सांस्कारिक ज्ञान देती रहती थी पर आज मां के पास व्यावहारिक और सांस्कारिक ज्ञान के साथ-साथ शैक्षणिक ज्ञान भी है। आज मां अपने बच्चे को और बेहतर भविष्य दे सकती है, किंतु समयाभाव आज बहुत सी मांओं को उन के कर्त्तव्य पूरे करने से दूर कर रहा है, जिस का दुष्परिणाम समाज को भुगतना पड़ रहा है। आज परिवेश बहुत तेजी से बदल रहा है, जिस की वजह से हर उम्र के बच्चों को अलग-अलग प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है. कई बार बच्चे अपनी समस्याओं को अपने माता-पिता से शेयर नहीं करते हैं और अकेले उनसे जूझते रहते हैं। कई बार डांट के डर से बच्चे अपनी समस्याओं को शेयर नहीं करते. अतः यह बहुत आवश्यक है कि मां अपने बच्चे में इतना विश्वास जगाए रखे कि वह हर कदम पर और हर हालात में उस के साथ है ताकि बच्चा भयवश उस से अपनी परेशानी न छिपाए।

• लॉकडाउन में मदर्स डें...

❑ **देश में लॉकडाउन का तीसरा चरण चल रहा है। 10 मई को घर में रहकर मां के साथ इस दिन को यादगार बनाएं। यह पूरा दिन मां के नाम समर्पित करें और घर के सभी लोग इस दिन को जश्न के तौर पर मनाएं। कुछ लोगों ने तो इसकी तैयारी भी की है। लॉकडाउन में मदर्स डे को एक यादगार दिन के तौर पर मनाने के लिए लोगों ने खास तरह से घरों के भीतर रहकर तैयारियां की हैं। मां का कर्तव्य केवल अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करना ही नहीं होता, बल्कि मां की और भी बहुत सी जिम्मेदारियां होती हैं।**